भारत - सोमालिया संबंध

सोमालिया हॉर्न आफ अफ्रीका में स्थित है, जिसकी उत्तर - पश्चिम में सीमाएं डिजिबाउटी से, पश्चिम में इथोपिया से और दक्षिण पूर्व में कीनिया से लगती हैं। यह अफ्रीका में सबसे लंबी तटवर्ती क्षेत्र है। भाषा एवं धर्म की दृष्टि से 10 मिलियन की आबादी वाला सोमालिया वाला अधिकतर एक समान।

1991 में गृह युद्ध भड़कने के बाद सोमालिया में संयुक्त राष्ट्र आपरेशन से पूर्व एक बहुराष्ट्रीय संयुक्त कार्यबल (यू एन आई टी ए एफ) 1994 तक तैनात किया गया जिसके बाद 1995 में यूएन शांति सेना वापस लौट आई। भारतीय शांति सेना ने यूनिटैफ एवं यूनोसोम दोनों में विलक्षणता के साथ सेवा की।

प्राचीन काल से भारतीय व्यापारी हार्न आफ अफ्रीका के साथ व्यापार करते रहे हैं। 1940-50 के दशकों में सोमालिया में, मुख्य रूप से कोरियोले के आसपास खेतों में काम करने के लिए इटली के लोगों द्वारा अनेक भारतीयों की भर्ती की गई। अन्य भारतीयों ने सोमालिया में अपना कारोबार स्थापित किया। एक अनुमान के अनुसार, सोमालिया में लगभग 200 भारतीय परिवार थे, जो मुख्य रूप से मोगाडिशू एवं मेरका में कपड़ा रंगने का काम करते थे। 1980 के दशक के पूर्वार्ध में किस्मायो में रहने वाले भारतीय परिवार यहां से छोड़कर मोगाडिशू चले गए। । 1991 के बाद अधिकांश भारतीयों ने सोमालिया छोड़ दिया तथा उनमें से अधिकतर कीनिया में मोंबासा में बस गए

राजनीतिक संबंध

1960 में सोमालिया की आजादी के एक साल बाद मॉरीशस में भारत के आयुक्त को समवर्ती रूप में सोमालिया में भारत के राजदूत के रूप में नियुक्त किया गया तथा उन्होंने 1961 में अपना प्रत्यय पत्र प्रस्तुत किया।

सोमालिया के प्रधानमंत्री महामहिम डा. अब्दिराशिद अली शेरमार्के ने सूचना मंत्री के साथ 1963 में भारत का दौरा किया। महामहिम डा. शेरमार्के ने पुन: 1968 में सोमालिया के राष्ट्रपति के रूप में भारत का दौरा किया। सोमालिया के विदेश मंत्री महामहिम डा; अब्दुरहमान जामा बर्रे ने 1979 में भारत का दौरा किया। इसके बाद सोमालिया के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने 1986 में तथा सोमालिया के राष्ट्रपति के एक विशेष दूत ने 1989 में भारत का दौरा किया।

1991 में गृह युद्ध भड़कने के बाद मोगाडिशू स्थित भारतीय दूतावास को बंद कर दिया गया। या। माननीय विदेश राज्य मंत्री श्री एडवार्डो फलेरियो ने 1992 में सोमालिया का दौरा कि भारत में सोमालिया का एक दूतावास है। कीनिया में भारत के उच्चायुक्त को समवर्ती रूप से सोमालिया की भी जिम्मेदारी सौंपी जाती है।

उप प्रधानमंत्री एवं आयोजना तथा अंतर्राष्ट्रीय सहयोग मंत्री महामहिम डा. अब्दिवेली मोहम्मद अली ने भारत - अफ्रीका साझेदारी परियोजना पर सातवीं सी आई आई - एक्जिम बैंक गोष्ठी में भाग लेने के लिए मार्च, 2011 में भारत का दौरा किया। यात्रा के दौरान उन्होंने माननीय विदेश मंत्री श्री एस एम कृष्णा तथा माननीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री आनंद शर्मा से मुलाकात की।

माननीय विदेश राज्य मंत्री श्री ई अहमद के नेतृत्व में एक भारतीय शिष्टमंडल ने 23 फरवरी, 2012 को सोमालिया पर लंदन सम्मेलन में भाग लिया। उन्होंने टी एफ जी राष्ट्रपति महामहिम शेख शरीफ अहमद, पुंटलैंड के राष्ट्रपति महामहिम अब्दिरहमान मोहम्मद मोहम्मद फरोले और गालमुडुग के राष्ट्रपति महामहिम मोहम्मद अहमद अलिन से सम्मेलन के दौरान अतिरिक्त समय में मुलाकात की।

शिक्षा, संस्कृति एवं उच्च अध्ययन के लिए टी एफ जी मंत्री प्रो. अहमद अदिद इब्राहिम ने 1-2 मार्च, 2012 को नई दिल्ली में आयोजित भारत - अफ्रीका विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री स्तरीय सम्मेलन तथा टेक एक्सपो में भाग लेने के लिए भारत का दौरा किया। यात्रा के दौरान उन्होंने 9 मार्च, 2012 को माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री कपिल सिब्बल से मुलाकात की।

पुंटलैंड राज्य के राष्ट्रपति महामहिम अब्दिरहमान मोहम्मद फरोले ने 15-16 मई, 2012 को भारत का दौरा किया। उन्होंने माननीय विदेश राज्य मंत्री श्री ई. अहमद एवं माननीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री श्री आर पी एन सिंह से मुलाकात की।

उच्चायुक्त के नेतृत्व में एक भारतीय शिष्टमंडल ने 31 मई से 2 जून, 2012 के दौरान सोमालिया पर आयोजित इस्तंबुल-2 सम्मेलन में भाग लिया।

माननीय विदेश राज्य मंत्री श्रीमती प्रनीत कौर ने 16 अक्टूबर, 2012 को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सोमालिया पर आयोजित डिबेट को संबोधित किया। उन्होंने सोमालिया के नए नेतृत्व को बधाई दी तथा यह नोट किया कि राष्ट्रपति महमूद ने 1980 के दशक के दौरान भारत में पढ़ाई की थी।

मछली पालन, समुद्री संसाधन एवं पर्यावरण मंत्री माननीय श्री अब्दिरहमान इब्राहिम ने अक्टूबर, 2012 में हैदराबाद में जैव विविधता पर अभिसमय के पक्षकारों के सम्मेलन की 11वीं बैठक के उच्च स्तरीय सेगमेंट में भाग लेने के लिए भारत का दौरा किया। सोमालिया संघीय गणराज्य के व्यापार मंत्री श्री मोहम्मद अहमद हसन ने वाइब्रेंट गुजरात व्यवसाय शिखर बैठक में भाग लेने के लिए जनवरी, 2013 के दौरान भारत का दौरा किया।

उच्चायुक्त के नेतृत्व में एक भारतीय शिष्टमंडल ने 7 मई, 2013 को लंदन में आयोजित सोमालिया सम्मेलन में भाग लिया।

26 से 29 अक्टूबर, 2015 के दौरान नई दिल्ली में आयोजित तीसरी भारत - अफ्रीका मंच शिखर बैठक के लिए राष्ट्रपति हसन शेख महमूद ने सोमालिया के शिष्टमंडल का नेतृत्व किया। इस यात्रा के दौरान बरकतुल्ला विश्वविद्यालय द्वारा उनको डॉक्टोरेट की मानद उपाधि प्रदान की गई। इससे पहले जुलाई 2015 में प्रधानमंत्री के विशेष दूत तथा विदेश राज्य मंत्री जनरल वी के सिंह ने मोगादिशु का दौरा किया तथा तीसरी भारत - अफ्रीका मंच शिखर बैठक में भाग के लिए प्रधानमंत्री का निमंत्रण सौंपा था।

विकास सहयोग :

भारत सोमालिया को भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग (आई टी ई सी) प्रशिक्षण छात्रवृत्तियों तथा भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आई सी सी आर) छात्रवृत्तियों की पेशकश करता है। 2014-15 के दौरान, सोमालिया को 10 आई टी ई सी एवं 16 आई सी सी आर स्लाटों की पेशकश की गई।

सोमालिया अखिल अफ्रीकी ई-नेटवर्क परियोजना के साझेदार देशों में से एक है। पुंटलैंड राज्य के उप शिक्षा मंत्री के साथ माननीय विदेश मंत्री श्री एस एम कृष्णा द्वारा 16 अगस्त, 2010 को इस परियोजना का उद्घाटन किया गया।

सोमालिया के लोग पढ़ाई एवं चिकित्सा देख-रेख के लिए भारत आते हैं। थोड़ी संख्या में भारतीय सोमालिया के विभिन्न क्षेत्रों में काम करते हैं।

व्यापार संपर्क

2014-15 के दौरान, भारत - सोमालिया व्यापार 391.05 मिलियन अमरीकी डालर था जो 2013-14 के दौरान 257.27 मिलियन अमरीकी डालर की तुलना में 30 प्रतिशत से भी अधिक है।

सोमालिया भारत को माल एवं सेवाओं के निर्यात के लिए एकपक्षीय ड्यूटी फ्री टैरिफ तरजीह व्यापार पहुंच से संबंधित भारत के प्रस्ताव के लिए योग्य बन गया है। 2008 में शुरू की गई इस स्कीम के तहत, भारत की 84 प्रतिशत टैरिफ लाइनों पर एल डी सी से निर्यात को ड्यूटी फ्री अक्सेस तथा अन्य 9 प्रतिशत के लिए तरजीही अक्सेस प्रदान की जाती है।

भारत - सोमालिया व्यापार (यूएस मिलियन डॉलर में)

वर्ष	भारतीय निर्यात	भारतीय आयात	कुल व्यापार
2012-13	182.32	12.54	194.86
2013-14	206.53	46.39	252.92
2014-15	352.81	38.25	391.05

स्रोत : वाणिज्य विभाग, भारत सरकार

सोमालिया में संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना बल में भारत की भागीदारी

ब्रिगेडियर एम पी भगत के नेतृत्व में 4600 भारतीय शांति सैनिकों ने 1993-94 के दौरान यूनोसोम-2 में भाग लिया। भारतीय सैन्य दल का मुख्यालय बैडोआ में था। इसमें हेलिकाप्टर और बख्तर शामिल थे। सैनिकों ने पुनर्निर्माण एवं परोपकार के कार्यों में भी भाग लिया। उन्होंने 10 लाख रूपए मूल्य की दवाओं एवं बीजों का वितरण किया, जिन्हें भारत सरकार द्वारा प्रदान किया गया। अपनी तैनाती के दौरान 12 भारतीय सैनिकों ने अपने जीवन की आहुति दी। भारतीय नौ सेना ने सोमालिया में संयुक्त राष्ट्र कार्य बल के लिए भारतीय योगदान में प्रमुख भूमिका निभाई।

भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अस्थाई सदस्य के रूप में पिछले कार्यकाल (2011-12) के दौरान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की सोमालिया - इरिट्रिया प्रतिबंध समिति का अध्यक्ष था।

मई, 2011 में अदिस अबाबा में आयोजित दूसरी भारत - अफ्रीका मंच शिखर बैठक में माननीय प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह की घोषणा के बाद भारत ने सोमालिया के लिए अफ्रीकी संघ मिशन (एमीसोम) को 2 मिलियन अमरीकी डालर की राशि प्रदान की। भारत ने मार्च, 2012 में एमिसोम को 1 मिलियन अमरीकी डालर के एक और अंशदान की घोषणा की।

भारतीय नौसेना वर्ष 2008 से अडेन की खाड़ी में जल दस्युतारोधी गश्त में भाग ले रही है। भारत सोमालिया के तटों पर जल दस्युतारोधी संयुक्त राष्ट्र संपर्क समूह का सदस्य है।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय उच्चायोग, नैरोबी की वेबसाइट : http://www.hcinairobi.co.ke
भारतीय उच्चायोग, नैरोबी का फेसबुक पेज :
https://www.facebook.com/pages/India-in-Kenya-High-Commission-of-India- Nairobi/894496970596247?ref=aymt_homepage_panel
भारतीय उच्चायोग, नैरोबी ट्विटर : https://twitter.com/IndiainKenya

***

फरवरी, 2016